DR. (PROF.) NEERJA BHATLA

Dr. (Prof.) Neerja Bhatla is Professor and former Head of the Department of Obstetrics and Gynaecology at the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), New Delhi. She is widely recognized in India and internationally for her role in promoting cervical cancer prevention in India, validating feasible, affordable and acceptable technologies.

2. Born on 2nd January, 1959, Dr. (Prof.) Bhatla received her MBBS degree from AIIMS New Delhi in 1982, MD in 1985 and was appointed on the faculty in 1989. Over a distinguished career spanning over 35 years, she has been instrumental in significantly impacting women's health.

3. Dr. (Prof.) Bhatla worked closely with the Ministry of Health & Family Welfare, Indian Council of Medical Research and Department of Biotechnology in the field of maternal and reproductive health. Over the last two decades, she conducted numerous studies on various aspects of cervical cancer prevention, taking up the challenge to find tools that health workers can use at primary care facilities, evaluating alternatives such as VIA and low-cost HPV testing, portable battery-operated devices for diagnosis and treatment, AI-enabled next generation equipment and HPV vaccines, with a focus on Make-in-lndia efforts. She collaborated with corporate social responsibility efforts, paramilitary forces welfare programmes and organizations such as Rotary, etc. through which she has benefited lakhs of women.

4. Dr. (Prof.) Bhatla has served on numerous national and global advisory groups, with leadership roles in all major organizations. In these roles, she developed training curricula, guidelines for cervical cancer screening, management, HPV vaccination, revised staging criteria for cervical cancer, development of a mobile application for management, etc. She was the first from India to be Chairperson of the International FIGO Committee for Gynecologic Oncology. She is a member of WHO's Technical Expert Group for Cervical Cancer Elimination Initiative, and has been President of the Asia Oceania Research Organization for Genital Infections and Neoplasia and Association of Gynaecologic Oncologists of India, and Vice President of the Federation of Obstetrics & Gynaecological Societies of India (FOGSI).

5. Dr. (Prof.) Bhatla has been the recipient of several awards and orations from national and international organizations. In 2018, she received the Inspiring Gynaecologists of North India Award by ET Healthworld for advancement of reproductive health. In 2019, she received the Women's Leadership Conclave Award by Ministry of Women and Child Development, Govt. of India. In 2021, she was awarded the Shobha Wenger Distinguished Chair of Gynaecologic Oncology at AIIMS and FRCOG (ad eundem), UK. She received the IARC Award for Women in Cancer Research, 2023 from WHO-International Agency for Research in Cancer, Women Achiever's Award from Zee DNA, Fellowship of National Academy of Sciences, Prayagraj (FNASc) in 2023 and Indian National Science Academy (FAMS) in 2024. She is listed in Stanford's top 2% of researchers globally since 2020.

डॉ. (प्रो.) नीरजा भाटला

डॉ. (प्रो.) नीरजा भाटला अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की प्रोफेसर और पूर्व प्रमुख हैं। भारत में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम को बढ़ावा देने, व्यवहार्य, सस्ती और स्वीकार्य तकनीकों को मान्य करने में उनकी भूमिका के लिए उन्हें भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

2. 2 जनवरी, 1959 को जन्मी, डॉ. (प्रो.) भाटला ने वर्ष 1982 में एम्स नई दिल्ली से एमबीबीएस की डिग्री, वर्ष 1985 में एमडी की डिग्री प्राप्त की और वर्ष 1989 में संकाय में नियुक्त हुईं। 35 वर्षों से अधिक के अपने प्रतिष्ठित करियर में उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य को अत्यधिक रूप से प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

3. डॉ. (प्रो.) भाटला ने मातृ एवं प्रजनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के साथ मिलकर काम किया है। पिछले दो दशकों में, उन्होंने गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम के विभिन्न पहलुओं पर कई अध्ययन किए हैं, जिसमें प्राथमिक देखभाल सुविधाओं में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा उपयोग किए जा सकने वाले उपकरणों को खोजने की चुनौती लेते हुए मेक–इन–इंडिया प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करते हुए वीआईए और कम लागत वाली एचपीवी जांच, निदान और उपचार के लिए पोर्टेबल बैटरी से चलने वाले उपकरण, एआई–सक्षम अगली पीढ़ी के उपकरण और एचपीवी टीके जैसे विकल्पों का मूल्यांकन किया गया है। उन्होंने कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी प्रयासों, अर्धसैनिक बलों के कल्याण कार्यक्रमों और रोटरी जैसे संगठनों के साथ सहयोग किया है, जिसके माध्यम से उन्होंने लाखों महिलाओं को लाभान्वित किया है।

4. डॉ. (प्रो.) भाटला ने कई राष्ट्रीय और वैश्विक सलाहकार समूहों में काम किया है, और सभी प्रमुख संगठनों में नेतृत्व की भूमिका निभाई है। इन भूमिकाओं में, उन्होंने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच, प्रबंधन, एचपीवी टीकाकरण, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए संशोधित चरण मानदंड, प्रबंधन के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का विकास आदि के लिए दिशानिर्देश विकसित किए। वह स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी के लिए अंतर्राष्ट्रीय एफआईजीओ समिति की अध्यक्ष बनने वाली भारत की पहली महिला थीं। वह गर्भाशय ग्रीवा कैंसर उन्मूलन पहल के लिए डब्ल्यूएचओ के तकनीकी विशेषज्ञ समूह की सदस्य हैं, और जननांग संक्रमण और नियोप्लासिया और एसोसिएशन ऑफ गाइनोकोलॉजिक ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के लिए एशिया ओशिनिया अनुसंधान संगठन की अध्यक्ष और फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गाइनोकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई) की उपाध्यक्ष रही हैं।

5. डॉ. (प्रो.) भाटला को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से कई पुरस्कारों और व्याख्यानों से सम्मानित किया गया हैं। वर्ष 2018 में, उन्हें प्रजनन स्वास्थ्य की उन्नति के लिए ईटी हेल्थवर्ल्ड द्वारा उत्तर भारत के प्रेरणादायक स्त्री रोग विशेषज्ञों का पुरस्कार मिला। वर्ष 2019 में, उन्हें भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा वुमैन्स लीडरशीप कॉन्कलेव पुरस्कार मिला। वर्ष 2021 में, उन्हें एम्स और एफआरसीओजी (एड यूंडेम), यूके में स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी की शोभा वेंगर प्रतिष्ठित चेयर से सम्मानित किया गया। उन्हें डब्ल्यूएचओ–इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च इन कैंसर से वर्ष 2023 में कैंसर रिसर्च में महिलाओं के लिए आईएआरसी अवार्ड, ज़ी डीएनए से महिला अचीवर अवार्ड, 2023 में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, प्रयागराज (एफएनएएससी) की फ़ेलोशिप और वर्ष 2024 में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एफएएमएस) से सम्मानित किया गया। वह वर्ष 2020 से स्टैनफोर्ड के वैश्विक स्तर पर शीर्ष 2% शोधकर्ताओं में सूचीबद्ध हैं।